सत्र 2021-22 के लिए महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय से मिली मंजूरी अमर उजाला—28/7/22 शुक्रवार

आयुर्वेदिक, होम्योपैथी व यूनानी के 19 कॉलेजों को मिली संबद्धता

गोरखपुर। महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने प्रदेश के आठ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेजों, नौ होम्योपैथी कॉलेजों और दो यूनानी कॉलेजों को सत्र 2021-22 के लिए संबद्धता दी है। महले इन कॉलेजों की मान्यता अलग-अलग विश्वविद्यालयों से थी। इन कॉलेजों के लिए आयुष विश्वविद्यालय ने सीटें भी निर्धारित की हैं।

आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि संबद्धता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पहले चरण में राजकीय आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों को मान्यता दी गई है। प्रदेश के सभी 107 महाविद्यालय संबद्ध किए जाएंगे। इसके लिए महाविद्यालयों को कोड, लॉगिन आईडी व पासवर्ड भेज दिए गए हैं।

बताया कि निजी और राजकीय महाविद्यालयों के लिए अलग-अलग शुल्क तय किए गए हैं। निजी महाविद्यालयों में सौ सीट पर 1.50 लाख व 60 सीट पर 1.30 लाख रुपये तथा राजकीय महाविद्यालयों में सौ सीट पर 40 हजार व 60 सीट पर 30 हजार रुपये तय किए गए हैं।

पहले इन कॉलेजों की मान्यता अलग-अलग विश्वविद्यालयों से थी

राजकीय यूनानी महाविद्यालय

- राजकीय तकमील उत्तिब, कॉलेज एवं हॉस्पिटल निकट, रमाबाई रैली स्थल, बिजनौर रोड, औरंगाबाद तिराहा, लखनऊ, सीट- स्नातक-75, परास्नातक-14
- राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेज एवं हकीम अहमद हुसैन रिपिब्ल-डे मेमोरियल हॉस्पिटल हिम्मतगंज, प्रयागराज, सीट- स्नातक-75, परास्नातक-12

इन आयुर्वेद कॉलेजों को दी गई संबद्धता

- राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय चौकाघाट, वाराणसी, सीट- स्नातक-75, परास्नातक-38
- श्री लाल बहादुर शास्त्री स्मारक राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय हंडिया, प्रयागराज-सीट- स्नातक-75
- राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय तुलसीदास मार्ग, लखनऊ, सीट- स्नातक- 75, परास्नातक-49
- राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय अंतर्रा, बांदा, सीट-स्नातक-75
- बुंदेलखंड राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सा, झांसी, सीट- स्नातक- 75
- एसआरएम राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय बांसमंडी, बरेली, सीट- स्नातक 75
- ललितहरि राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, पीलीभीत, सीट-स्नातक-63, परास्नातक-आठ
- स्वामी कल्याणदेव राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, मुजफ्फरनगर, सीट-स्नातक-75

राजकीय होम्योपैथी, महाविद्यालय

- शहीद राजा हरिप्रसाद मल्ल राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल बड़हलगंज, गोरखपुर, सीट- स्नातक-125
- राजकीय श्री दुर्गा जी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल आजमगढ़, सीट- स्नातक-125
- राजकीय गाजीपुर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सीट- स्नातक- 63
- राजकीय लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल फाफामऊ, प्रयागराज, सीट- स्नातक-125, परास्नातक-13
- राजकीय डॉ बीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल देवकली अयोध्या, फैजाबाद, सीट- स्नातक-38
- राजकीय नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल गोमतीनगर, लखनऊ, सीट- स्नातक-125, परास्नातक-23
- पंडित जवाहर लाल नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लखनऊ, सीट-स्नातक-125, परास्नातक-15
- राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, छेरट, अलीगढ़, सीट-स्नातक-125
- राजकीय केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, मुरादाबाद, सीट- स्नातक-125

दैनिक जागरण (दि० 29/08/22)

www.jagran.com

गोरख

मजदूरी नहीं मिलने पर हंगामा

आयुष विश्वविद्यालय के मजदूरों को ढाई माह से नहीं मिली मजदूरी

जागरण संवाददाता, भटहट: क्षेत्र के पिपरी में निर्माणाधीन आयुष विश्वविद्यालय में काम कर रहे मजदूरों ने शुक्रवार को मजदूरी को लेकर काम ठप करते हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ढाई महीने से मजदूरी नहीं मिल रही है। कांट्रैक्टर सिर्फ आश्वासन देते हैं। हालांकि कुछ देर बाद कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर हिमेश जोशी द्वारा भुगतान 28 अगस्त तक करने का आश्वासन दिया। इसके बाद हंगामा कर रहे मजदूर शांत हुए और घर चले गए।

आयुष विश्वविद्यालय में मजदूरी की मांग को लेकर हंगामा करते मजदूर • जागरण

हंगामा करने वाले मजदूरों ने कंपनी पर आरोप लगाते हुए कहा कि नागपंचमी एवं रक्षाबंधन व कृष्ण जन्माष्टमी जैसे त्यौहार बीत जाने के बावजूद उन्हें मजदूरी नहीं मिली। किसी मजदूर का दो माह तो किसी का ढाई माह से मजदूरी बाकी है। मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया कि सप्ताह में मिलने वाले खर्चे की रकम में भी कांट्रैक्टर कटौती कर उन्हें आधी रकम ही देते हैं।

जंगल सखनी के राधेश्याम, कुशीनगर जनपद के अवधेश कुमार, महाराजगंज जनपद के अजय लाल सिंह, पीपरी निवासी राकेश सिंह, जमुनहवां निवासी मनसा देवी आदि ने बताया कि दो माह की मजदूरी बाकी है। वहीं जंगल डुमरी नंबर दो के कोदई का कहना है कि वह कंपनी में 4 महीने से शटरिंग सरिया आदि का काम करा रहे हैं। कंपनी पर लगभग चार लाख रुपए का बकाया है। प्रत्येक सप्ताह उन्हें कंपनी के अधिकारी सिर्फ आश्वासन ही दे रहे हैं।

जब कीं विजय निर्माण कंपनी के कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार गुप्ता का कहना है कि जो मजदूर सीधे उनके माध्यम से काम कर रहे हैं। उनकी मजदूरी समय से उपलब्ध कराई जा रही है।

जबकि कांट्रैक्टर बेश पर काम करने वाले मजदूरों को प्रत्येक सप्ताह प्रति मजदूर खर्चे के रूप में एक हजार रुपये दिया जाता है। जबकि पूरी मजदूरी बिल सबमिट होने के बाद दूसरे माह के 20 तारीख तक उपलब्ध करा दी जाती है। बीच में यदि किसी मजदूर को पैसे की आवश्यकता होती है तो उसे अपने कांट्रैक्टर से संपर्क करना चाहिए।

चिकित्सक की लापरवाही से महिला की हालत गंभीर

जागरण संवाददाता, खजनी : थाना क्षेत्र के खुटहना गांव के मुकेश बेलदार ने खजनी के एक चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि चिकित्सक ने आपरेशन के नाम पर उनके भाभी की बच्चेदानी की नस काट दी। उनकी हालत गंभीर है और वह गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में जीवन व मौत से जूझ रही हैं।

मुकेश ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी भाभी की चार दिन पूर्व तबीयत बिगड़ी तो वह इलाज के लिए खजनी कस्बे के एक चिकित्सक के पास लेकर गए। वहां चिकित्सक ने बताया कि उनके गर्भ में बच्चा मर गया है। आपरेशन करना पड़ेगा। आपरेशन के बाद उनके भाभी की तबीयत और बिगड़ गई। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। उनकी स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। उनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस दौरान पता चला कि आपरेशन में उनके भाभी के बच्चेदानी की नस काट दी गई है। प्रभारी निरीक्षक इकरार अहमद ने बताया कि महिला के स्वजन ने तहरीर दी है।